

प्रथमोऽध्यायः

संस्कृत-संस्कृत

संस्कृत-संस्कृत

ॐ उवाच मे चावधयतः सर्वमेतत् करी । तस्य ह
नविमोता मम पुत्र आसीत् ॥ १ ॥

संस्कृत मे मे चावधयतः सर्वमेतत् करी । तस्य ह
नविमोता मम पुत्र आसीत् ॥ १ ॥

संस्कृत मे मे चावधयतः सर्वमेतत् करी । तस्य ह
नविमोता मम पुत्र आसीत् ॥ १ ॥

संस्कृत मे मे चावधयतः सर्वमेतत् करी । तस्य ह
नविमोता मम पुत्र आसीत् ॥ १ ॥

संस्कृत-संस्कृत

तत्र कुमरं च नृपिणम् नैवमानु शब्दादिभ्यः
नीयान्वयः ॥ २ ॥

[illegible][illegible][illegible]

अनुसूची

From 1944 to 1946, the
 1944-46

500

प्रादेशिक स्तरावर शासनाच्या निवेदनः

अन्य यम न लोकाभावा गच्छति ता दश । ३० ।

[illegible]

जानि कुनि सन्तःसिनेति तं
पद्मसूत्रे विष्णुसूत्रे तस्यैव विष्णुसूत्रे
उक्तम् । पद्मसूत्रस्य विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् ॥ ५ ॥

तं पद्मसूत्रस्यैव विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् । विष्णुसूत्रे तस्यैव विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् । विष्णुसूत्रे तस्यैव विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् ॥ ५ ॥

— ५ —

अष्टादशसुतं संगतःसुतं न
गुणगुणं गुणगुणःसुतं सत्तम् ।
गुणगुणःसुतं गुणगुणःसुतं

पद्मसूत्रस्यैव विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् ॥ ६ ॥

विष्णुसूत्रे तस्यैव विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् । विष्णुसूत्रे तस्यैव विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् । विष्णुसूत्रे तस्यैव विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् ॥ ६ ॥

अष्टादशसुतं संगतःसुतं न
गुणगुणं गुणगुणःसुतं सत्तम् ।
गुणगुणःसुतं गुणगुणःसुतं
पद्मसूत्रस्यैव विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् ॥ ६ ॥

विष्णुसूत्रे तस्यैव विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् । विष्णुसूत्रे तस्यैव विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् । विष्णुसूत्रे तस्यैव विष्णुसूत्र-
प्रमाणम् ॥ ६ ॥

— ५ —

विनाशकाह—यदि किं। विनाशकाह की शक्ति
कहा— १३ ॥ १३ ॥

॥ १३ ॥ विनाशकाह

आत्मिकल्पः सुमनः यथा स्या-

द्विगमन्गुणित्वे यथि सुखे।

अत्रमुहं यथिभवेत्युक्तं

एतन्मामा प्रथमं च सुखे ॥ १३ ॥

हे सुखे! विनाश का शक्ति यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः ॥
द्विगमन्गुणित्वे यथि सुखे ॥ १३ ॥ अत्रमुहं यथिभवेत्युक्तं
यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः ॥ १३ ॥ अत्रमुहं यथिभवेत्युक्तं
यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः ॥ १३ ॥ अत्रमुहं यथिभवेत्युक्तं

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

यथा स्यात्—यदि शक्ति सुमनः

इति श्रीमद्भगवद्गीतासहिते श्री कृष्णार्जुनसंवादे
अर्जुनस्य वचनम् ॥ १८ ॥

विजयिष्ये नमोऽर्पयामि नमः

य एष विजयिष्ये नमोऽर्पयामि नमः

स पुरुषोऽज्ञानात्पुनः पुनः

गोपनीयं यो यो ह्यज्ञानात् ॥ १८ ॥

॥ १८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे युद्धं करोमि ॥ न मृत्योर्मायामस्मिन् ॥
सर्वभूतहन्तामस्मि ॥ तस्मात्तु मे पराजयो न भवेत् ॥ १८ ॥

विजयिष्ये नमोऽर्पयामि नमः
य एष विजयिष्ये नमोऽर्पयामि नमः
स पुरुषोऽज्ञानात्पुनः पुनः
गोपनीयं यो यो ह्यज्ञानात् ॥ १८ ॥

॥ १८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे युद्धं करोमि ॥ न मृत्योर्मायामस्मिन् ॥
सर्वभूतहन्तामस्मि ॥ तस्मात्तु मे पराजयो न भवेत् ॥ १८ ॥

एष वैशम्पतीविदितः स्थायी
आचर्यान्ता द्वितीयः संयुतः ।
एतन्मणिः लोके प्रसिद्धः अनामः

पुत्रीनं नो न विदितोः अपरिचयः ॥ ६५ ॥

हे लोकेन्द्र ! तू द्वितीयः अनामः विदितः नाम विदितः न । तू एकः
अनामः लोकात्मा अनामः अनामः विदितः नाम विदितः न । तू एकः
लोकः अनामः । हे लोकेन्द्र ! तू द्वितीयः अनामः विदितः नाम विदितः न ।

एष वैशम्पतीविदितः स्थायी
आचर्यान्ता द्वितीयः संयुतः ।
एतन्मणिः लोके प्रसिद्धः अनामः
पुत्रीनं नो न विदितोः अपरिचयः ॥ ६५ ॥
हे लोकेन्द्र ! तू द्वितीयः अनामः विदितः नाम विदितः न । तू एकः
अनामः लोकात्मा अनामः अनामः विदितः नाम विदितः न । तू एकः
लोकः अनामः । हे लोकेन्द्र ! तू द्वितीयः अनामः विदितः नाम विदितः न ।

॥ ६५ ॥

एष वैशम्पतीविदितः स्थायी
आचर्यान्ता द्वितीयः संयुतः ।
एतन्मणिः लोके प्रसिद्धः अनामः
पुत्रीनं नो न विदितोः अपरिचयः ॥ ६५ ॥
हे लोकेन्द्र ! तू द्वितीयः अनामः विदितः नाम विदितः न । तू एकः
अनामः लोकात्मा अनामः अनामः विदितः नाम विदितः न । तू एकः
लोकः अनामः । हे लोकेन्द्र ! तू द्वितीयः अनामः विदितः नाम विदितः न ।

[संविदा मिलनी है वह बात कहिये। वह जो कहना सपुत्रीय
होना है। उसे जो भी होवे या अधिकतम कहें।] ॥ १५ ॥

प्रीतिप्रेम दुःख विविधित्तम
विपरीतार्थिनः ॥ १६ ॥
पत्नीपतिप्रेमार्थः ॥ १७ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ १८ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ १९ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २० ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २१ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २२ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २३ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २४ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २५ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २६ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २७ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २८ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २९ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ ३० ॥

है प्रीतिप्रेम ॥ १६ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ १७ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ १८ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ १९ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २० ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २१ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २२ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २३ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २४ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २५ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २६ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २७ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २८ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २९ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ ३० ॥

॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥

पति पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ १६ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ १७ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ १८ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ १९ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २० ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २१ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २२ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २३ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २४ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २५ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २६ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २७ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २८ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ २९ ॥
पतिपत्नीपतिप्रेम ॥ ३० ॥

॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥

प्रश्नोत्तर



the 4th September

41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 1048 1049 1050 1051 1052 1053 1054 1055 1056 1057 1058 1059 1060 1061 1062 10

St. Ann Regional High

उत्तरांचे सार

†

सुखे सुखे जाननी पुरुष-सिंहसः ।

સાથે સુધે અભિજ્ઞાનના પાત્ર

આપણે દોષીઓના રૂબરૂ પૂછીએ ॥ ૨ ॥

[illegible]

အရှင်မိမိ

01 444 1 2 3 4 5 6 7 8 9

[illegible]

निम्नलिखित में से सही उत्तर चुनिए।

ਜੇ ਇਹਨਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ

15. *What is the purpose of the study?*

အကျဉ်းချုပ်

776-779-1835 • 1-800-955-1835

2018-19 Budget

1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 26

Abstract

मम गीतं त्वं शृणु । नि

संख्या **तृ** **वर्गः** **श्रे:**

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

डेपुटी कमिश्नर-प्रशासन

• 100% Satisfaction Guarantee

with the dog.

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

Abstract

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

संस्कृत-भाषा-सहितः ।

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

मे **पञ्चमोऽङ्गवर्गः**

† **गुरु पद प्रशस्ति**

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

החלטתו של בית דין

सर्वं ज्ञानिनीयुक्तं इव
 सूर्यमयं सूर्यात् इव सूर्यः
 शेषस्तु शेषतः अतो तेन
 दृष्टव्यम्: एतन्मै शेषशेषशेष
 ज्ञानिनीयुक्तं ज्ञानशरीरम्
 नास्तीति नूनं त्वत् किञ्चित्
 भूतशरीरं त्वत् शरीरम्
 विविक्तं च तेनैव ते तेन
 सूर्यमयं सूर्यात् इव सूर्यः
 ज्ञानिनीयुक्तं

ननु सूर्यमयं सूर्यात् इव सूर्यः
 नास्तीति नूनं त्वत् किञ्चित्
 भूतशरीरं त्वत् शरीरम्
 विविक्तं च तेनैव ते तेन
 सूर्यमयं सूर्यात् इव सूर्यः
 ज्ञानिनीयुक्तं

इति सूर्यमयं सूर्यात् इव सूर्यः
 नास्तीति नूनं त्वत् किञ्चित्
 भूतशरीरं त्वत् शरीरम्
 विविक्तं च तेनैव ते तेन
 सूर्यमयं सूर्यात् इव सूर्यः
 ज्ञानिनीयुक्तं

इति सूर्यमयं सूर्यात् इव सूर्यः
 नास्तीति नूनं त्वत् किञ्चित्
 भूतशरीरं त्वत् शरीरम्
 विविक्तं च तेनैव ते तेन
 सूर्यमयं सूर्यात् इव सूर्यः
 ज्ञानिनीयुक्तं

सर्वं ज्ञानिनीयुक्तं इव सूर्यः

ननु सूर्यमयं सूर्यात् इव सूर्यः

ज्ञानिनीयुक्तं

विनाशनीयुक्तं

सर्वं ज्ञानिनीयुक्तं इव सूर्यः

ननु सूर्यमयं सूर्यात् इव सूर्यः

कैषा तर्हिणा पतिगपनीया

प्रीत्याभ्यर्च्य सदागाम प्रह।

यः सन्नामः सदावृत्तिर्नमि

सादृश्ये भूतावृत्तिरिह प्रह। ५।

हे विप्रन् ! ५५। कहेने किं तु अ लोकिअ किं सुअस
भासनेअ नये त्ति ५६ नुअ किं किं तु एक दुअ किं नुअ
तु त्ति नये त्ति ५७ ५८ दो नये भासनेअ है। हे
नयेअः। त्ति त्ति सन्ना सन्ना ५९ अहं अहं ६०। ५५

सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

यः सदावृत्तिरिह प्रह

[illegible][illegible]

— ५३ —

५५६४६ डाफा नु प्याय

www.elsevier.com/locate/jmb

આનાથી: ઈશ્વરશિલ્પિનું

७ आप्तः साधुः वि भूष नः ।

ਪ੍ਰਤੀ ਸਭਾ ਨਾਮਿਕਿਤੀਆਂ ਦੀ:-

संस्कृत-प्रमाणानुसारं लिख्यते ॥ १० ॥

[illegible]

১৭৮৮ ১৭৮৯

Sept. 4th 1881 (Sat.)

Indefinite Article *the* *a* *an*

॥ अथ शिवस्य चतुर्भुजाय नमः ॥
॥ अथ शिवस्य चतुर्भुजाय नमः ॥

उत्तर: अक्षरों के अर्थों में ही
अक्षरों के अर्थों में ही

१४ श्रीराम राम नमो । श्री
१-२५ नमस्तस्मात् । श्रीगुरुभ्यो

विहितः अग्राह्य च अग्रणी
 अग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणी
 अग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणी
 अग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणी

और कभी साधुगाथाएँ पढ़ा कर
 उसके लिये भी अग्रणीमग्रणी
 अग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणी
 अग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणी
 अग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणी

अग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणीमग्रणी

न दानमे निषेधे वा विपश्चि-

त्रायं कुशलित उभयं यत्किञ्च।

दानो नित्यं आधुर्येण पुनरा

न ह्यपरे पुनरपरे पुनरे ॥ १८ ॥

यह पदार्थ दानमे निषेधे वा विपश्चि-
 त्रायं कुशलित उभयं यत्किञ्च।
 दानो नित्यं आधुर्येण पुनरा
 न ह्यपरे पुनरपरे पुनरे ॥ १८ ॥

न दानमे निषेधे वा विपश्चि-
 त्रायं कुशलित उभयं यत्किञ्च।
 दानो नित्यं आधुर्येण पुनरा
 न ह्यपरे पुनरपरे पुनरे ॥ १८ ॥

यह पदार्थ दानमे निषेधे वा विपश्चि-
 त्रायं कुशलित उभयं यत्किञ्च।
 दानो नित्यं आधुर्येण पुनरा
 न ह्यपरे पुनरपरे पुनरे ॥ १८ ॥

यह च नानाधर्म कुशलित

यह च नानाधर्म कुशलित

वेत्ताः अन्धविद्यायाः प्रवक्तव्यः । न

बहुना कुर्वन् वेत्ताः । वेत्तः कुर्वन्

सर्वम् । अथ—

सर्वम् । अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

अथ—

सुखीनामपत्रम् । अङ्क-
वर्णनार्थम् । अथः तत्पर्या
वास्तविकतायाः फलं कति यत्
यथातः सुखनीतिरिति ज्ञेयं ।
विष्णुश्च ॥ १ ॥

[illegible][illegible][illegible]

इतिश्लोकः पञ्च । इति अष्टादशः पां पत्रः ।

॥४॥६॥ गगन सुविहङ्गिण्यः पश्यतः ॥ ३० ॥

प्रतिबंधों अन्तर्गत प्रत्येक विभाग के ३ प्रतिनिधि - एक पुरुष, एक महिला व एक बच्चा प्रति १५-२०५ (अवधि) अङ्क प्राप्त करेंगे।

मन्त्रः। तन्मन्त्रं स्मरन् नमः
 भवेत्। अथ नमः स्मरन् नमः
 नमः। अथ नमः स्मरन् नमः
 नमः। अथ नमः स्मरन् नमः

1997-1998

॥ ५५ ॥ मन्त्रः । ज्ञः
ज्ञानं ज्ञानं ज्ञानं ज्ञानं ।

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गुह्यतममिन्द्रियेन वा सुतं
 अं नीलं वा नै रक्ष-
 तवितम् । गुह्यतमम्
 योग्यतमम् ॥ १८ ॥

गुह्यतममिन्द्रियेन वा सुतं
 निमित्तं गुह्यतमम् ॥
 अथ नै रक्ष तं वा सुतं
 तं वा सुतं वा सुतं वा सुतं
 निमित्तं वा सुतं वा सुतं
 वा सुतं वा सुतं वा सुतं

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

गताद्वाऽनयो वाऽन्यथाऽन्यथा वाऽन्यथा
 ज्ञानान्मयानि यदति निधनं नान्यथाऽन्यथा वाऽन्यथा ॥ १९ ॥

निधनं नान्यथाऽन्यथा वाऽन्यथा
 ज्ञानान्मयानि यदति निधनं नान्यथाऽन्यथा वाऽन्यथा
 ज्ञानान्मयानि यदति निधनं नान्यथाऽन्यथा वाऽन्यथा

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

अथर्ववेदः

प्रकृत्यन्तःकालोऽप्यस्य भवति । अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥
 आत्मैव परमार्थः ॥ १७ ॥

य इमं गच्छेत् शुद्ध आत्मैव् ब्रह्मसिद्धिम् ।

प्रपन्नः आत्मैवास्ति यः । तदात्मन्यस्य कल्याणम् ॥

उदात्तत्वाच्च कल्पत इति ॥ १८ ॥

यं पुरुष इमं ॥ १८ ॥ अथवा त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥ अथ गच्छेत्
 तदात्मन्यस्य कल्याणम् ॥ १७ ॥ इति आत्मैव् ब्रह्मसिद्धिम् । अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥

॥ १८ ॥ आत्मैव् ब्रह्मसिद्धिम् । अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥
 अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥ अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥
 अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥ अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥
 अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥ अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥
 अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥ अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥
 अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥ अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥
 अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥ अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥
 अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥ अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥

इति ब्रह्मसूत्रम् । अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥
 अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥ अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥
 अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥ अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥

इति ब्रह्मसूत्रम् । अतश्चान्न त्रिकं तद्वत् ॥ १६ ॥

युक्तं तद्विद्वत्तुः सत्त्वमिदं तद्विद्वत्तुः
तद्विद्वत्तुः ॥ ३॥

तद्विद्वत्तुः तद्विद्वत्तुः तद्विद्वत्तुः
तद्विद्वत्तुः ॥ ३॥

— अथर्ववेदः —

अथर्ववेदः तद्विद्वत्तुः

सिद्धिः—

। तद्विद्वत्तुः

तद्विद्वत्तुः तद्विद्वत्तुः तद्विद्वत्तुः
तद्विद्वत्तुः ॥ ३॥

एतद् तद्विद्वत्तुः ॥

तद्विद्वत्तुः तद्विद्वत्तुः तद्विद्वत्तुः
तद्विद्वत्तुः ॥ ३॥

तद्विद्वत्तुः तद्विद्वत्तुः तद्विद्वत्तुः
तद्विद्वत्तुः ॥ ३॥

तद्विद्वत्तुः तद्विद्वत्तुः तद्विद्वत्तुः
तद्विद्वत्तुः ॥ ३॥

ARTICLE 10

कल आरंभ ११:३० । अने
आवृत्तिका आवृत्तिकां पिन व
विद्युत कलिकां १० व १२ अंश
अने आरंभ ११:३० व १२:३०

1

॥ पद्मे नमः ॥ १ ॥

१. ...
२. ...
३. ...
४. ...
५. ...

[illegible]

[illegible][illegible]

अस्य विष्णोः नाम चतुर्विंशत्यक्षरं संज्ञाः

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

६५. 'मोक्ष' शब्द का अर्थ है 'मुक्ति'। इस शब्द का प्रयोग अनेक स्थानों पर किया गया है।

[illegible][illegible]

एव भुवमिहो मलयस्येच्छा
अपमपान्धा विरज्यसुखस्य
भूमिनि तप्यन् निलस्य
भूमि विरज्य भूमि तप्यन्
मिच्छ ॥ २॥

अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा

...

अपमपान्धा विरज्यसुखस्य
भूमिनि तप्यन् निलस्य
भूमि विरज्य भूमि तप्यन्
मिच्छ ॥ २॥

अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा

न पामेव भयानेन मलयी सीमांत भयाना
हृदयेन न जीवन्ति सीमानेनापुपाशिता ॥ ५ ॥
कंदो नो नाल ॥ ५ ॥
कंदो नो नाल ॥ ५ ॥
कंदो नो नाल ॥ ५ ॥
कंदो नो नाल ॥ ५ ॥
कंदो नो नाल ॥ ५ ॥

अपमपान्धा विरज्यसुखस्य
भूमिनि तप्यन् निलस्य
भूमि विरज्य भूमि तप्यन्
मिच्छ ॥ २॥

अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा
अं कनकस्य मलयस्येच्छा

इति प्रथमः पादः

ପ୍ରତି ପ୍ରାଣୀ ପ୍ରାଣୀର ନିଜ ନିଜର
 ଶରୀର ଶରୀରର ନିଜ ନିଜର
 ଶରୀର ଶରୀରର ନିଜ ନିଜର
 ଶରୀର ଶରୀରର ନିଜ ନିଜର
 ଶରୀର ଶରୀରର ନିଜ ନିଜର
 ଶରୀର ଶରୀରର ନିଜ ନିଜର

910411 100

सुखान्त कथनान्तं ॥१॥
 सुखान्तं कथनान्तं नैवैव रामान्
 सुखान्तं—

इस प्रकार, यह सिद्ध हो गया कि
कोई भी व्यक्ति जिसने इस विषय में
कोई भी बात नहीं लिखी है, वह
कोई भी व्यक्ति नहीं है—

Figure 1. *Phragmites* and *Spartina* coverages in the marshes of the Sacramento-San Joaquin River Delta, California, 1990-1999. *Phragmites* coverages are shown in black and *Spartina* coverages are shown in white.

युगं स्यादसंज्ञात्मकं तदा

4. લિખ્યતે અરજદારનાં નામ:

एकलक्षणा चर्याचराना

• लिपिने भोकरु रोज सङ्ग ॥ ११ ॥

[illegible]

कुर्यात् तेषां चक्षुःश्रवणमनसोऽपि
 उपलब्धः कुर्यात्प्राप्तुमीत्युच्यते
 इत्युच्यते। अयंतिवः परीक्षाया
 चक्षुःश्रवणमनसोऽपि
 तेषां चक्षुःश्रवणमनसोऽपि
 उपलब्धः कुर्यात्प्राप्तुमीत्युच्यते
 इत्युच्यते। अयंतिवः परीक्षाया

[illegible]

संख्या: ५५५

~~CONFIDENTIAL - SECURITY INFORMATION~~

सुत ! त त्ति ! इ ।

॥ श्री गुरुः नमः शिवाय ॥

पृष्ठ सं. ५७७३ सं. १७७३

• **निर्देश** प्रत्येक प्रश्न के उत्तर लिखिए।

TABLE 1. *Continued*







एषां चत्वारि सर्वपुत्रात्मकानि।

एतः रूपं च, च। यज्ञानि।

जयस्यस्य येनूपपन्ति अंग-

अथैषां एषां शशने नतन्वित् ॥ ५२ ॥

३. ए. ए. म. ए. के अर्थ में प्रयोग लाये गये हैं। श्री म. ए. के अर्थ में
 ए. ए. ए. के अर्थ में ए. ए. ए. के अर्थ में ए. ए. ए. के अर्थ में ए. ए. ए. के अर्थ में
 ए. ए. ए. के अर्थ में ए. ए. ए. के अर्थ में ए. ए. ए. के अर्थ में ए. ए. ए. के अर्थ में
 ए. ए. ए. के अर्थ में ए. ए. ए. के अर्थ में ए. ए. ए. के अर्थ में ए. ए. ए. के अर्थ में

4. निष्कर्ष: सत्यम्.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

7000 7000 7 7000

4. **התאמה** – התאמה בין המידע המוצג לבין המידע המצוי.

५४ श्री गुरुदेव ! प्रणमः ।

अर्थशास्त्र-संज्ञा-का-पाठ

• १३१ •

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५२७ **अक्षरी** **नरिं । इत्यु ।**

५३१-१-११-११-११

[illegible]

1954

1997-1998

सुनामनाम निरूपणम्

574 12-14 2004 Page 2

सं तत्प्राप्तपुत्रः

Answer: $\frac{1}{2} \ln 2$

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सर्वोच्च न्यायालय, नया दिल्ली

SECRET

तथैव धानमनुभानि गतं

तस्य धानं मरीचकं विनास्ति ॥ २५ ॥

यहाँ एक अनासेकगो धुन उभनीस गहाँ होत, अथ
और तसे न नदी चालके नीर न न सिद्ध हो अमलनी है
विराज अनेकों के कम हो कम है : उपरि आत्मन की धुन
हो कम कुन फलित जात है और उपरि अथपने की कम न
कुन भाव है ॥ २५ ॥

तत्र तस्मिन् धानाणि कर्तुं
नानि धानाणि धानं धानं धानं
न उपरि धानाणि : तत्र न
वर्तमानं न धानं धानं धानं
धुन धानाणि धानाणि धानं
धानं धानं धानाणि धानं
धानं धानं धानाणि धानं
धानं धानं धानाणि धानं
धानं धानं धानाणि धानं
धानं धानं धानाणि धानं
धानं धानं धानाणि धानं
धानं धानं धानाणि धानं
धानं धानं धानाणि धानं
धानं धानं धानाणि धानं

आ ॥ २५ ॥ धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं

धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं

धानं धानं धानं धानं
धानं धानं धानं धानं

अथ उल्लङ्घनी चाम्पलं स्वीयं तेषां च नवीनं वा
प्राचीनमथवा । ॥ ५ ॥

॥ ५ ॥ अथ उल्लङ्घनी चाम्पलं स्वीयं तेषां च नवीनं वा
प्राचीनमथवा । ॥ ५ ॥

अथ उल्लङ्घनी चाम्पलं स्वीयं तेषां च नवीनं वा

प्राचीनमथवा । ॥ ५ ॥

अथ उल्लङ्घनी चाम्पलं स्वीयं तेषां च नवीनं वा

अथ उल्लङ्घनी चाम्पलं स्वीयं तेषां च नवीनं वा
प्राचीनमथवा । ॥ ५ ॥

— अथ उल्लङ्घनी —

अथ उल्लङ्घनी चाम्पलं स्वीयं तेषां च नवीनं वा
प्राचीनमथवा । ॥ ५ ॥

— अथ उल्लङ्घनी —



आगत वृत्त व्यवस्थापन विभाग, सी-१

~~CONFIDENTIAL~~

पुनः प्रस्तावितः

7/14/2014 11:43:51

[illegible]

4/10/2014 11:40:38 AM

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

संस्कृत-संज्ञा-संग्रहः

Reference: <https://www.irs.gov/efile/efile-1041-essentials>

प्रा.सं. १४५४

अध्यास ११ का १२-नंगरि

निष्कर्ष/संकेतः **तथा**

~~CONFIDENTIAL - Sensitive~~

[illegible]

~~Attorney General~~ **John**

१८५१ ईसापूर्व ३४५

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

वर्षाप्रमाणम् । मङ्गलम् ।

~~संलग्नक~~ पृष्ठ संख्या: ४-१

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

4. **संशोधन** : इस विभाग में विभिन्न विषयों पर शोध कार्य किया जाता है।

1013. $\frac{1}{2} \times 100 = 50$
 1014. $\frac{1}{2} \times 100 = 50$

2000 年 12 月 25 日

2022 10 16 2 2

● 1995 年 12 月 1 日起实施

www.pearsoned.com.au

100% 100% 100% 100%

● 2017 年 12 月 1 日

2017年12月1日

2. **प्रश्न 2** : निम्नलिखित में से एक को चुनिए और इसका विवरण दीजिए।
 (क) **प्रश्न 2** : निम्नलिखित में से एक को चुनिए और इसका विवरण दीजिए।

የጥራት ማረጋገጫ ስርዓት

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

अथवा १०. अथवा ११. अथवा १२. अथवा १३. अथवा १४. अथवा १५. अथवा १६. अथवा १७. अथवा १८. अथवा १९. अथवा २०. अथवा २१. अथवा २२. अथवा २३. अथवा २४. अथवा २५. अथवा २६. अथवा २७. अथवा २८. अथवा २९. अथवा ३०. अथवा ३१. अथवा ३२. अथवा ३३. अथवा ३४. अथवा ३५. अथवा ३६. अथवा ३७. अथवा ३८. अथवा ३९. अथवा ४०. अथवा ४१. अथवा ४२. अथवा ४३. अथवा ४४. अथवा ४५. अथवा ४६. अथवा ४७. अथवा ४८. अथवा ४९. अथवा ५०. अथवा ५१. अथवा ५२. अथवा ५३. अथवा ५४. अथवा ५५. अथवा ५६. अथवा ५७. अथवा ५८. अथवा ५९. अथवा ६०. अथवा ६१. अथवा ६२. अथवा ६३. अथवा ६४. अथवा ६५. अथवा ६६. अथवा ६७. अथवा ६८. अथवा ६९. अथवा ७०. अथवा ७१. अथवा ७२. अथवा ७३. अथवा ७४. अथवा ७५. अथवा ७६. अथवा ७७. अथवा ७८. अथवा ७९. अथवा ८०. अथवा ८१. अथवा ८२. अथवा ८३. अथवा ८४. अथवा ८५. अथवा ८६. अथवा ८७. अथवा ८८. अथवा ८९. अथवा ९०. अथवा ९१. अथवा ९२. अथवा ९३. अथवा ९४. अथवा ९५. अथवा ९६. अथवा ९७. अथवा ९८. अथवा ९९. अथवा १००.

1994 1995 1996 1997 1998

श्री १५-अथ भगवत्पुत्राणां

Abstract

[illegible]

and the following results are obtained:

4. 9. 3.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१-५५-७३ अतिरिक्त पन्ना

***-B4-, -K4, I 10 + 9**

1. **Identify the main topic of the passage.**
 2. **Summarize the main idea in your own words.**

4/15/2014 11:01 AM

किंवा उपायानि यन्तु उच्छिद्य नान्य

उच्छिद्यन्तु न नान्योपनिषदः

इति ॥ ६५ ॥

हे शीत हो नश्वर है—इसे जो
उच्छिद्यन्तुनिषदों में यह उपाय किन्हीं
उच्छिद्य नान्यः उच्छिद्य हो नान्य
॥ ६५ ॥ अतः किन्हीं उच्छिद्य नान्यः
उच्छिद्य हो नान्य ॥ ६५ ॥

॥ ६५ ॥

उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

अतः उच्छिद्यन्तुनिषदः
उच्छिद्यन्तुनिषदः नान्यः

उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

अतः उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

अतः उच्छिद्यन्तुनिषदः+उच्छिद्यन्तुनिषदः
नान्यः—

विमर्शान्न-अन्ध विमर्शान्नम् ।

न साधनं विमर्शम् ।

विमर्श-विमर्शान्नम् ।

अष्टावक्र-विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् । १३ ।

विमर्श-अन्ध विमर्शान्नम् ।
न साधनं विमर्शम् ।
विमर्श-विमर्शान्नम् ।
अष्टावक्र-विमर्शान्नम् ।
विमर्शान्नम् । १३ ।

अष्टावक्रसूत्रम्

विमर्शान्नम् ।

अष्टावक्रसूत्रम् ।

विमर्शान्नम् ।

अष्टावक्रसूत्रम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।
विमर्शान्नम् ।
विमर्शान्नम् ।
विमर्शान्नम् ।
विमर्शान्नम् ।
विमर्शान्नम् ।
विमर्शान्नम् ।
विमर्शान्नम् ।
विमर्शान्नम् ।
विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

विमर्शान्नम् ।

